सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई-पत्रिका अंक - 15 अगस्त-2021

चयनित आदर्श गाँव

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

www.suryafoundation.org

sf10idealvillage
suryaadarshgaonyojna
suryafoundation1
@suryafnd
surya_foundation
suryafoundation

गाँव में चलाया गया स्वच्छता अभियान
नयागाँव-हरियाणा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव नयागाँव में माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में सूर्या फाउण्डेशन की टीम के साथ विद्यालय के बच्चों ने पूरा सहयोग किया। घास काटने हेतु सूर्या प्लांट द्वारा घास काटने की मशीन उपलब्ध कराई गयी। विद्यालय की साफ-सफाई के उपरांत सभी बच्चों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में भी बताया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। **शिक्षिका गीता जी ने बताया कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। हमें हमेशा स्वच्छता का पूरा ध्यान रखना चाहिए, जिससे हम बीमारियों से बच सकें। साथ ही स्वच्छता रखने से चीजें सुंदर व सही दिखती हैं।** हमे अपने आसपास हमेशा सफाई रखनी चाहिए। हमें अपने घर में कूड़े दान का प्रयोग करना चाहिए। कूड़ा एक निश्चित स्थान पर ही फेंकना चाहिए। जिससे की गंदगी न फैले क्यों की गंदगी अधिक होने के कारण हमारा वातावरण प्रदूषित होता है। साथ ही जल भी दूषित हो जाता है, जिससे कि हमें पीने के लिए शुद्ध जल नही मिलता इसलिए हमे हमेशा स्वच्छता का ध्यान रखना है और अपने परिवार में सभी सदस्यों को स्वच्छता के बारे में बताना है। आस पास के लोगों को भी जागरुक करना है।

गंदगी से बढ़े बीमारी स्वच्छता की करो तैयारी

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonnayagaon

अन्य कार्य

- **एक कक्षा-एक पुस्तक** (समेकित पुस्तक) के विषय में 10 शिक्षकों की बैठक की गयी।
- हरियाली तीज के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में 90 महिलाओं द्वारा सहजन के 3-3 पौधे लगाये गये।
- रक्षाबंधन उत्सव पर 5 नीम के पौधे लगाये गये।

Documentary

पोषण वाटिका से जैविक सब्जियों का उत्पादन

नांदियाकल्ला–राजस्थान

सरवन (किसान)

पप्पूराम मेघवाल (किसान)

पुराने समय से सुनते आ रहे हैं **जैसा खाए अन्न–वैसा होवे मन** *अर्थात–* जैसे हम अन्न ग्रहण करेंगे वैसे ही मन पर प्रभाव होता है। पिछले दो वर्षों से लोग कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं। उसकी रोकथाम व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु निर्माण की गई वैक्सीन लगाने का अभियान तेजी से चल रहा है, किंतु वैज्ञानिक और डॉक्टरों का कहना है इस महामारी से बचने के लिए हमें अपने शरीर रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना होगा।

अन्य कार्य

- हरियाली तीज पर महिलाओं द्वारा 5 सहजन के पौधे लगाए गए।
- संस्कार केंद्र पर 24 बच्चों द्वारा स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम मनाया गया।
- रक्षाबंधन पर **एक गाँव, एक दिन, एक पौधा** कार्यक्रम के अन्तर्गत बरगद 4 के पौधे लगाये गये।
- भारत विकास परिषद संस्था के साथ मिलकर 100 पौधे लगाये गये।

Documentary

इम्यूनिटी पावर को बढ़ाने में हरी साग–सब्जियों का प्रमुख योगदान है। इससे हमारे शरीर को प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं। सूर्या फाउण्डेशन द्वारा पिछले वर्ष से हर–घर पोषण वाटिका की शुरुआत की गयी, इसके लिए संस्था द्वारा परिवारों में सब्जियों के बीज निःशुल्क उपलब्ध कराए गये।

इस वर्ष भी गाँव में 60 परिवारों को पाँच प्रकार के उत्तम किस्म के सब्जियों के बीज वितरित किए गए हैं। पोषण वाटिका अभियान का उद्देश्य है कि किसानों का आर्थिक लाभ हो, वे स्वस्थ रहें, उनको ताजी और हरी सब्जी मिले। इसमें खास बात यह है कि इस पोषण वाटिका में किसी भी प्रकार का रासायनिक खाद और दवाइयों का इस्तेमाल नहीं किया गया है। यह पूर्ण रूप से शुद्ध जैविक तरीके से तैयार किया गया है।

पिछले वर्षों का अनुभव रहा है कि लॉकडाउन के समय जब लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे सब्जियाँ काफी महंगी मिल रही थी। उस समय यह पोषण वाटिका उन लोगों के लिए वरदान साबित हुआ।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonnandiyakalla

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर
कादीपुर-काशी (उ.प्र.)

पहला सुख
निरोगी काया

अन्य कार्य

- रक्षाबंधन उत्सव पर गाँव में 11 बरगद के पौधे लगाये गये।
- हरियाली तीज त्यौहार पर महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, 15 सहजन के पौधे रोपे गये।
- सूर्या संस्कार केन्द्र पर स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी, राष्ट्रीय खेल दिवस और रक्षाबंधन कार्यक्रम मनाया गया।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonkadipur

वाराणसी जिले के कादीपुर गाँव में ग्रामीणों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा पंचायत भवन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का गाँव के नौजवानों, बच्चों, बुजुर्गों तथा 38 महिलाओं ने लाभ लिया। वर्षा ऋतु में खांसी, बुखार, जुकाम और सिर दर्द जैसी बीमारियों से लोग परेशान रहते हैं, जिसके इलाज हेतु मरीजों को आसपास के चिकित्सालयों में लंबी कतार और भीड़ का सामना करना पड़ता है।

शिविर की सफलता के लिए एक दिन पूर्व गाँव के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर ग्रामीणों से स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने के लिए आग्रह किया। शिविर में पापुलर हॉस्पिटल से डॉक्टर नीतीश कुमार त्रिपाठी जी ने मरीजों की जांच की और उनसे बचाव का उपाय भी बताया।

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में विकास विश्वकर्मा जी (चयनित आदर्श गाँव प्रमुख) ने सभी को जागरुक करते हुए बताया कि "हम सबको अपने शरीर को हमेशा स्वस्थ रखना है। हम अपने खान-पान से ही अस्वस्थ्य होते हैं और फिर समस्याओं से घिर जाते हैं। बीमारियों से बचने के लिए हमें प्रतिदिन योग करना है। खान-पान अच्छा रखना है। हमारी रसोई में ही अच्छी से अच्छी चिकित्सा उपलब्ध होती है।

प्राकृतिक चिकित्सा जागरुकता शिविर
बसई का मंझरा-उत्तराखण्ड

प्राकृतिक चिकित्सा प्रणाली चिकित्सा की एक रचनात्मक विधि है, जिसका लक्ष्य प्रकृति में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध तत्त्वों द्वारा रोग के मूल कारण को समाप्त करना है। यह न केवल एक चिकित्सा पद्धति है बल्कि मानव शरीर में उपस्थित आंतरिक शक्तियों या प्राकृतिक तत्त्वों के अनुरूप एक जीवन-शैली भी है। इस पद्धति में प्राकृतिक भोजन, विशेषकर ताजे फल तथा कच्ची व हल्की पकी सब्जियाँ विभिन्न बीमारियों के इलाज में अहम् भूमिका निभाती हैं।

गाँव बसई का मंझरा में बच्चों व युवाओं में प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरुकता व कोरोना से बचाव के लिये **कौन बनेगा स्वस्थ्य रक्षक** (KBSR) प्रतियोगिता करायी गयी, इसमें संस्कार केन्द्र के 25 भैया-बहनों ने तथा गाँव के अन्य 21 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए सभी बच्चों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया गया। सभी प्रतिभागियों को परीक्षा से 15 दिन पहले **कौन बनेगा स्वास्थ रक्षक** पुस्तक पढ़ने के लिए दी गई थी।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonbasai

इस पुस्तक में प्राकृतिक उपचार संबंधित योग, प्राणायाम, जलनेति, कुंजल गरारे, कटि स्नान, भाप स्नान, एनिमा, तेल मालिश, अंकुरित भोजन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति लोगों में जागरुकता लाना है। लोगों को प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी मिलती रहे इसके लिए समय-समय पर प्राकृतिक चिकित्सा शिविर लगाये जायेंगे।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर जल संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गोनाइल (फिलाइल) तैयार किया गया।
- वृक्षारोपण अभियान के तहत गाँव में फलदार पौधे वितरण किये गये।
- नागपंचमी कार्यक्रम मनाया गया।

गौ उत्पाद प्रशिक्षण शिविर
नगलावर - मथुरा (उ.प्र.)

आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना द्वारा चयनित गाँव नगलावर, (मथुरा-उत्तर प्रदेश) में तीन दिवसीय गो-उत्पाद प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें स्वंय सहायता समूह व सिलाई केन्द्र की 30 माताओं-बहनों को प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में महिलाओं को देशी गाय के गोबर व गोमूत्र से घरेलू उपयोग की सामग्री बनाना सिखाया गया।

इस शिविर के उद्‌घाटन में श्री जितेन्द्र जी (स्वास्थ्य प्रमुख) उपस्थित रहे। समूह की सभी महिलाओं ने 3 दिनों तक उत्पाद बनाना सीखा। प्रथम दिन में धूपबत्ती व सुगंधित अग्निहोत्र के कंडे, दूसरे दिन साबुन व उपटन तथा तीसरे दिन गोनायल (फिनाइल) और दंत मंजन बनाना सिखाया गया।

शिविर के समापन कार्यक्रम में सभी महिलाओं को सीखकर बनाई गई सामग्री का एक-एक पैकेट दिया गया। अलग-अलग समूहों ने अलग-अलग उत्पाद बनाने का निर्णय लिया। महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पाद को पहले गाँव के परिवारों में प्रयोग में लाया जाएगा। उसके बाद बाजार में भी बेचने की प्रक्रिया पर काम किया जायेगा। यह स्वरोजगार के लिए भी एक बड़ा कदम होगा। इससे रसायनयुक्त सामानों का उपयोग कम होगा और स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग बढ़ेगा, गाँव की समृद्धि भी बढ़ेगी।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonnaglawar

अन्य कार्य

- हरियाली तीज पर सहजन के पौधे लगाए।
- संस्कार केन्द्र पर स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। यूथ क्लब के युवाओं की हाफ मैराथन दौड़ कराई गयी जिसमें 15 युवाओं की उपस्थिति रही।
- सूर्या संस्कार केन्द्र पर जल संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई और बच्चों द्वारा रैली का आयोजन किया गया जिसमें 30 बच्चों ने भाग लिया।
- सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया।

स्वयं सहायता समूह का गठन
फफूण्डा-मेरठ (उ.प्र.)

स्वयं सहायता समूह उन महत्त्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जो महिलाओं को बेहतर नेतृत्व, निर्णय लेने, मूलभूत सुविधाओं की प्राप्ति और कौशल विकास के मामले में सशक्त बनाती है। ग्रामीण परिवेश में स्वयं सहायता समूह जमीनी स्तर पर महिलाओं के आर्थिक मजबूती का एक प्रमुख माध्यम है। सामाजिक उद्यमिता को बढ़ाने में सहायक महिलाओं में उद्यमशीलता, प्रबंधकीय गुणों तथा व्यक्तिगत निर्णय लेने की क्षमता आदि के विकास के लिए सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह का गठन कर महिलाओं को सशक्त बनाने का कार्य पिछले कई वर्षों से कर रहा है। स्वरोजगार के अवसर मिले इस हेतु समय-समय पर कई प्रकार के कौशल विकास के प्रशिक्षण भी दिए जाते हैं।

मेरठ के चयनित आदर्श **गाँव फफूण्डा में इस माह पाँच नए महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है।** जिससे स्वयं सहायता समूह की अगली इकाई में ग्राम संगठन का गठन किया जा सके। इस ग्राम संगठन के द्वारा ग्रामीण महिलाओं को शिक्षित करने के साथ-साथ उनकी सामूहिक भागीदारी को भी बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। यह संगठन ग्रामीण महिलाओं को उनके अधिकार जानने में मदद करता हैं और उन्हें स्थानीय शासन और ग्राम विकास की प्रक्रिया में भाग लेने के लिये प्रेरित भी करता है। यह कार्य ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने में एक कारगर प्रयोग साबित हो रहा है और महिलाओं में आत्मनिर्भरता का भाव भरने के लिए भी अहम् भूमिका निभा रहा है।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonfafunda

अन्य कार्य

- सहजन के पौधे लगाकर हरियाली तीज कार्यक्रम मनाया गया।
- संस्कार केन्द्र पर शहीद, खुदीराम बोस की जयंती व स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन का कार्यक्रम मनाया गया।
- स्कूल प्रांगण में दो बरगद के पौधे लगाए गए।
- राष्ट्रीय खेल दिवस पर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती मनाई गई।

वृक्षारोपण करती हुई
सूर्या फाउण्डेशन टीम : फफूण्डा

Documentary

पीपल के पौधे का वितरण

मूण्डला-मध्य प्रदेश

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित गाँव मूण्डला में **हर-घर पीपल वितरण** कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन और पुष्प अर्पण करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री कल्याण सिंह जी (अध्यापक) ने किया। कार्यक्रम में 200 महिलाओं को 1-1 पीपल का पौधा वितरित कर उस पौधे के पालन पोषण का संकल्प दिलाया गया। धार्मिक दृष्टि से पीपल का महत्व तो है ही साथ ही पीपल का पेड़ 24 घंटे ऑक्सीजन भी देता है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित हुए। कार्यक्रम में श्रीमती सुनीता शर्मा (नायब तहसीलदार), अरुण कुमार (ब्लॉक समन्वयक-PMGAY), कमल वर्मा (ब्लॉक समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन), जीवन सिंह जी, अनीता ठाकुर (आंगनबाड़ी कार्यकर्ती), राम कलाबाई (आशा कार्यकर्ता), श्री बाबूलाल (पंचायत सचिव) आदि उपस्थित रहे।

पीपल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री विष्णु कुमार यादव जी (SDM) ने बताया कि *"वृक्षारोपण वर्तमान समय में बहुत ही जरूरी है, यह प्रयास पूरे जिले के लिए एक उदाहरण है, जब यह पीपल के पौधे वृक्ष बन जाएंगे तो यह गाँव एक बड़ा उदाहरण बनकर वृक्षारोपण के लिए पूरे देश के लिए प्रेरणा बनेगा। इस गाँव के लोगों को 24 घंटे शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी।"*

कार्यक्रम के समापन में बस स्टैंड परिसर में उपस्थित सभी अतिथियों द्वारा पीपल के पौधे लगाए गये। सभी लोगों ने सूर्या फाउण्डेशन और ग्राम पंचायत के माध्यम से किए गए इस अनुपम प्रयास की खूब प्रशंसा की।

अन्य कार्य

- समूह की 5 महिलाओं ने पापड़ बनाकर बेचने का काम शुरु किया है।
- पंचायत के माध्यम से पार्क निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- गांव में सेवाभावियों के माध्यम से मासिक सामूहिक रामायण पाठ का आयोजन किया गया।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें

Facebook : Adarshgaonmundla

मातृशक्ति खेलकूद प्रतियोगिता पेण्ड्री-छत्तीसगढ़

महिलाएँ शिक्षा, संस्कृति, गायन, खेल, हवाई उड़ान, सेना आदि क्षेत्रों में काम करके समाज व देश की प्रगति में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। हमारे क्षेत्रीय एवं ग्रामीण स्तरीय खेलों को आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवंत बनाये रखने और खेलों को प्रोत्साहन देने वाले खिलाड़ियों एवं मातृशक्तियों को सम्मानित किया जाना आवश्यक है।

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चयनित आदर्श गाँव पेण्ड्री (राजनांदगाँव) में छत्तीसगढ़ के प्रथम त्योहार हरेली सहेली के तहत माताओं-बहनों की खेलकूद प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गृहणियों को खेलकूद और फिटनेस के प्रति जागरुक करना एवं महिलाओं के प्रति लोगों का नजरिया बदलना है।

इस खेलकूद प्रतियोगिता में गाँव की सभी मातृशक्तियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिसमें कबड्डी, रस्साकस्सी, म्यूजिकल चेयर, दौड़-100 मी., दौड़-200 मी. और दौड़ 400 मी. की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए 350 महिलायें उपस्थित रही।

कार्यक्रम के दौरान गाँव के सेवाभावी भागवत सिन्हा, मिथिलेश सिन्हा (उप सरपंच), जीवराखन साहू, दानेश्वर, समलिया साहू, योगदान साहू, सूर्या यूथ क्लब शिक्षक- सूरज साहू, संस्कार केन्द्र शिक्षक- हीरेन्द्र साहू, सिलाई शिक्षिका श्रीमती चित्रलेखा व गाँव के अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonpendri

अन्य कार्य

- हरियाली तीज पर्व पर 5 सहजन के पौधे लगाए।
- 154 परिवारों में 1100 पौधे वितरण कर लगवाए गए।
- पौधों की सुरक्षा हेतु बांस के ट्री-गार्ड बनाकर लगाये गये।
- रक्षाबंधन के अवसर पर गाँव में बरगद, नीम और पीपल के पौधे लगाये गये।
- संस्कार केन्द्र पर स्वतंत्रता दिवस, तुलसीदास जयंती, राष्ट्रीय खेल दिवस, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम मनाया गया।

सम्मान समारोह : किसान गोष्ठी एवं जल संरक्षण सलोई-मध्य प्रदेश

विदिशा, मध्य प्रदेश के चयनित आदर्श गाँव सलोई में किसान गोष्ठी एवं जल संरक्षण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जल संरक्षण के लिए सलोई में 30 किसानों ने अपने-अपने खेतों में डबरियों का निर्माण किया। इस कार्य के लिए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा सभी किसानों को सम्मानित किया गया। इस कार्य को लेकर किसान हमेशा सजग रहें इसके लिए जल बचाने हेतु संकल्प भी कराया गया।

आज के समय में लोग अधिक पैदावर के लिए खेतों में रासायनिक खाद का प्रयोग कर रहे हैं, जिससे हमारी जमीन बंजर होती जा रही है। इसी को देखते हुए सम्मान समारोह के साथ-साथ किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इसमें कृषि विस्तार अधिकारी श्री नरेश साहू जी उपस्थित रहे। उन्होंने किसानों को कृषि से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी तथा सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाओं और सब्सिडी से मिलने वाले लाभ के बारे में भी बाताया।

कार्यक्रम में सूर्या फाउण्डेशन के क्षेत्र प्रमुख शिव राजवाड़े जी ने किसानों को जैविक खेती से होने वाले लाभ के बारे में बताया। ग्रामीणों ने सूर्या फाउण्डेशन द्वारा किए गये जल योद्धा सम्मान समारोह और किसान गोष्ठी की सराहना की। इस कार्यक्रम में 50 किसान बंधु उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- गाँव में सहजन के 5 पौधे लगाए गए।
- 45 परिवारों में पोषण वाटिका तैयार करवाई गयी।
- खुदीराम बोस जयंती मनायी गयी।
- संस्कार केन्द्र व सूर्या यूथ क्लब पर स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, खेल दिवस कार्यक्रम किया गया।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें

Facebook : Adarshgaonsaloi

कोरोना टीकाकरण कार्य
लोनाँव-गोरखपुर (उ.प्र.)

करोनाकाल में सूर्या फाउण्डेशन के कार्यकर्ताओं ने सरकारी गाइडलाइन का पालन करते हुए लोनाँव गाँव के लोगों को कोरोना महामारी से बचने के लिए घर घर जाकर मास्क सेनिटाइजर वितरण करने के साथ-साथ शारीरिक दूरी बनाए रखने की जानकारी दी। इस समय देशभर में वैक्सीनेशन का काम बहुत जोरों से चल रहा है।

कुछ लोगों द्वारा गाँवों में वैक्सीनेशन को लेकर लोगों के मन में शंका पैदा की गई। लेकिन सभी ग्रामवासियों के सहयोग से लोनाँव गाँव में प्राथमिक विद्यालय पर वैक्सीनेशन का कैम्प भी लगाया गया, जिसमें गाँव के 200 लोगों ने कोविड-19 की वैक्सीनेशन लगवायी। ग्राम प्रधान श्री बिट्टू राय जी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ती दुर्गावती जी, ग्राम विकास समिति के प्रमुख रामजतन राय जी, दान बहादुर जी, सूरज राय जी सहित अनेकों लोग उपस्थित रहे।

अधिक जानकारी के लिए क्लिक करें
Facebook : Adarshgaonlonav

अन्य कार्य

- हरियाली तीज उत्सव पर गाँव में 3 सहजन के पौधे रोपे गये।
- रक्षाबंधन पर पीपल का पौधा लगाया गया।
- 5 प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि व 1 वृद्धा पेंशन का फार्म भरवाया गया।
- संस्कार केन्द्र व यूथ क्लब पर स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन जन्माष्टमी, खेल दिवस कार्यक्रम किया गया।

आदर्श गाँव की विशेषताएँ

उन्नत कृषि व्यवस्था- जैविक व उन्नत बीजों का उपयोग। सिंचाई की आधुनिक सुविधाएँ। उपज भण्डारण हेतु उपयुक्त व्यवस्था। उपज की बिक्री की व्यवस्था आदि होनी चाहिए।

आवासीय सुविधा- गाँव में मकान कच्चे या पक्के हों लेकिन साफ-सुथरे होने चाहिए। साथ ही घर में स्नानगृह, शौचालय आदि की उचित व्यवस्था होनी चाहिए।

पेयजल व्यवस्था- पेयजल के लिए कुएँ, नल आदि की उचित व्यवस्था हो, पेय जल दूषित न हो इसकी व्यवस्था हो।

स्वास्थ्य संबंधी सुविधा- गाँव में प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र व चिकित्सक की व्यवस्था होनी चाहिए। आवश्यकतानुसार दवाइयों का प्रबन्ध भी होना चाहिए।

शिक्षा व्यवस्था- गाँव के भैया एवं बहनों को शिक्षा देने के लिए विद्यालय होना चाहिए। बुजुर्गों को साक्षर बनाने के लिए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र भी होना चाहिए।

परिवहन सुविधा- गाँव में परिवहन की उचित व्यवस्था हेतु सड़कें होनी चाहिए, जिससे गाँव आस-पास के गाँवों, कस्बों एवं जिला मुख्यालय से जुड़ सकें।

संचार सुविधा- संचार साधनों की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। टेलीफोन, डाकघर तथा इण्टरनेट सुविधाएँ आदि।

ऊर्जा, पर्यावरण व जागरूकता- ऊर्जा हेतु बिजली की व्यवस्था होनी चाहिए। सम्भव हो तो वैकल्पिक ऊर्जा का भी प्रयोग किया जाय। ग्रामवासियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता होनी चाहिए। सरपंच गाँव के विकास के प्रति जागरुक एवं सक्रिय होने चाहिए

औद्योगिक विकास- गाँव में कृषि आधारित उद्योगों का विकास होना चाहिए। ग्राम में कुटीर उद्योगों का विकास हो।

वित्तीय सुविधा- गाँव में बैंक, CSC आदि की सुविधा होनी चाहिए जिससे ग्रामवासियों को वित्तीय सुविधाएँ मिल सकें।

समरसता- समरसता के लिए गाँवों में ग्राम गौरव मेला, एकता दौड़, सामूहिक श्रमदान, भजन-कीर्तन आदि अनेक कार्यक्रम।

स्वावलंबन- गाँव के लोग आत्मनिर्भर बनें, हर हाथ को काम हो, इसके लिए स्वयं सहायता समूह, सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र व हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण, जैविक खेती, गौपालन आदि प्रकल्प।

समाचार पत्रों में चयनित आदर्श गाँवों की झलकियाँ

युवा संगठन ने राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण का बीड़ा उठाया

चौक-चौराहों पर साफ-सफाई कर चलाया अभियान

डोंगरगढ़ (सबेरा संकेत)। डोंगरगढ़ जनपद के आदर्श गांव पेंड्री, एवं कार्ययुक्त गांव बम्हनी के युवा सेवा शक्ति संगठन एवं मां चंडी युवा समिति द्वारा सुकुलदैहान स्थित अशोक चौक परिसर में स्वतंत्रता दिवस के पूर्व साफ-सफाई एवं सौंदर्यीकरण हेतु स्वच्छता अभियान चलाया गया।

वर्षा ऋतु के मौसम और बड़े ही लंबे समय से अशोक चौक परिसर में साफ-सफाई ना होने के कारण वह जर्जर अवस्था में था जिसको संगठन के युवाओं द्वारा बैठक में तय कर उसकी स्वच्छता एवं सुंदरता हेतु स्वयं संगठन ने बीड़ा उठाया। इसमें आसपास के गांव के युवा समिति एवं संगठनों से भी संपर्क कर राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के पूर्व इन प्रतीक चिन्हों की स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण हेतु अपील की स्वच्छता अभियान के दौरान सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना की टोली सहित आसपास के ग्रामवासियों की भी इस महाअभियान में सहभागिता रही।

इस दौरान आदर्श गांव सेवा प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी ने प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के जन्मोत्सव तक पूरे देश भर में विशेष स्वच्छता पखवाड़े के रूप में मनाते हैं लेकिन अब हमारे आसपास के सभी सार्वजनिक परिसर एवं स्थानों पर समय पर स्वच्छता होना भी अत्यंत आवश्यक है इसलिए इस राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर संगठन द्वारा यह निर्णय लिया गया है गांव के अलावा आसपास के क्षेत्र में स्थित राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह एवं विभिन्न महापुरुषों के प्रतिमाओं के परिसरों में स्वच्छता एवं सुंदरता के लिए स्वतंत्रता दिवस तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

इस दौरान सेवाभावी एवं संगठन अध्यक्ष दुर्गेश साहू , बम्हनी उपसरपंच कीर्तन यादव, आदर्श गांव ग्राम सेवा प्रमुख राजेंद्र हिंदुस्तानी, सूर्या संस्कार केंद्र शिक्षक हीरेंद्र साहू, प्रीतम निर्मलकर, सूर्या यूथ क्लब शिक्षक सूरज साहू, महेंद्र यादव, उपाध्यक्ष दानेश्वर सिन्हा, राजकुमार यादव, गुलाब, चंदन , नीरज , भूषन कंवर, कोमेश मानिकपुरी, दीपक यादव, बेदलाल यादव, अस्वन कंवर, भागबली

नया गांव के स्कूल में की सफाई

बहादुरगढ़। नया गांव के माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें विद्यालय के बच्चों, सूर्या फाउंडेशन व सूर्या रोशनी के सहयोग से स्कूल परिसर में सफाई की। कंपनी ने घास काटने की मशीन उपलब्ध कराई। अध्यापिका गीता देवी के अनुसार स्वतंत्रता दिवस से पहले स्कूल परिसर में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम किया गया। साथ ही बच्चों को जल

ग्रामीणों को सब्जियों के बीज वितरित

भोपालगढ़. सब्जियों के बीज वितरित करते हुए।

भोपालगढ़ @ पत्रिका. नांदिया कला सूर्या फाउंडेशन के पोषण वाटिका अभियान के तहत ग्रामवासियों को सब्जियों के बीज वितरण किए गए।

इस अवसर पर सूर्या फाउंडेशन के ग्राम विकास प्रमुख पप्पु राम ने बताया कि सूर्या फाउंडेशन का सपना गांव का चौमुखी विकास हो। इसी को ध्यान में रखकर शिक्षा स्वास्थ्य संस्कार समरसता के साथ ही स्वालंबन की दिशा में कार्य कर रहा है। अपना संस्थान तथा महाराणा प्रताप यूथ और भामाशाह के सहयोग से फलदार औषधीय तथा छायादार उपलब्ध कराए जा रहे है। इससे पूर्व सरपंच जसवंत सिंह भाटी ने मारवाड़ में सब्जियों के संरक्षण आदि पर विचार व्यक्त किए।

सूर्या फाउंडेशन ने कराया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

स्वतंत्र चेतना

वाराणसी। सूर्या फाउंडेशन के काशी क्षेत्र प्रमुख कुलदीप मोहन शर्मा ने बताया कि वाराणसी जिले के कादीपुर गांव में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं द्वारा गांव के पंचायत भवन में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में गांव की महिलाएंए बच्चों और बुजुर्गों ने लाभ मिला।

वर्तमान समय में खांसी, बुखार, जुकाम और सरदर्द जैसी बीमारियों से लोग परेशान रहते हैं, जिसके इलाज हेतु मरीजों को आसपास के चिकित्सालयों में लंबी कतार और भीड़ का सामना करना पड़ता है।

शिविर की सफलता के लिए एक दिन पूर्व गांव के कार्यकर्ताओं ने घर.घर जाकर ग्रामीणों को बताया और स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने के लिए आग्रह किया। शिविर में पापुलर हॉस्पिटल से डॉक्टर नीतीश कुमार त्रिपाठी जी ने मरीजों का जांच किया और बचाव हेतु जानकारी देते हुए बताया कि हमें किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करना चाहिए और वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचने हेतुसुझाव बताया। स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में आए सूर्या फाउंडेशन 10 आदर्श गांव प्रमुख विकास विश्वकर्मा ने सभी को जागरूक करते हुए बताया कि हमारा शरीर स्वस्थ रहने के लिए बना हैए हम अपने खान.पान से अस्वस्थ्य करते हैं और फिर इन्ही समस्याओं से घिर जाते हैं। हमारी रसोई में अच्छी से अच्छी चिकित्सा उपलब्ध होती है।

शिविर में ग्राम सेवा प्रमुख रामकोमल, दीपचंद, सहयोगी कार्यकर्ता सुरेंद्र कुमार और सेवाभावी रामबृक्ष, रामधार जीए सुंदर, राजकुमारी देवी, बिंदु देवी आदि उपस्थित रहे।